JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ० संतोष सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर, बी० एड० विभाग
दिग्विजयनाथ एल० टी० प्रशिक्षण महाविद्यालय
सिविल लाइन्स, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

Abstract : **इस शोध पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का अध्ययन करना है। मानसिक दबावग्रस्त बच्चे शैक्षिक क्रियाओं में पूर्ण रूपेण भाग नहीं लेते तथा मानसिक दबाव की स्थिति में अपना अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर पाते। कई बार मानसिक दबाव अधिक होने पर विद्यार्थी विद्यालय छोड़ने तथा शैक्षिक क्रियाओं में अरुचि भी प्रदर्शित करते हैं जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि बाधित होती है। क्योंकि मानसिक दबाव की स्थिति में वे केवल अपनी उसी समस्या के बारे में निरन्तर सोचते रहते हैं जिसको हल करने में वे असमर्थ हैं तथा अन्य क्रियाओं पर पूरा ध्यान नहीं देते। इस हेतु शोधकर्ता द्वारा गोरखपुर जनपद के 10 माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 में पढ़ने वाले 200 विद्यार्थियों को चयनित कर शोध में सम्मिलित किया गया। मानसिक दबाव के मापन हेतु डॉ. बसन्त बहादुर सिंह एवं सीमा रानी द्वारा निर्मित विद्यार्थियों हेतु दबाव मापनी का प्रयोग करते हुए प्राप्त निष्कर्षों को शोध पत्र में दर्शाया गया है।**

IndexTerms – मानसिक दबाव, शैक्षिक उपलब्धि, विद्यार्थी

प्रस्तावना:-

सीखना एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। बालक अपने परिवेश तथा विद्यालय में बहुत कुछ सीखता है। परिवेश में अभिभावक एवं समाज तथा विद्यालय में शिक्षक विभिन्न क्रियाओं करके विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन करने का प्रयास करते है। इन सब क्रियाओं का प्रभाव उसकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है। विद्यालय का प्रत्येक प्रयास विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि के लिए होता है।

कई बार विभिन्न प्रयासों के बाद भी शैक्षिक उपलब्धि में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं होती। विद्यालय, शिक्षक तथा समाज अपनी ओर से सभी अनुकूल प्रयास करते हैं परन्तु फिर भी विद्यार्थी पिछड़ जाता है तथा लगातार पिछड़ता चला जाता है। इसका अर्थ यह है कि इन सभी के प्रयासों के अतिरिक्त भी अन्य कई कारक ऐसे होते हैं जो शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं। यहाँ पर सभी को चाहिए कि वे यह जानने का प्रयास करें कि वे कौन से कारक है जिनकी वजह से बच्चा शैक्षिक रूप से लगातार पिछड़ता चला जा रहा है। इन कारकों में से मानसिक दबाव भी एक महत्वपूर्ण कारक है।

मानसिक दबावग्रस्त बच्चे शैक्षिक क्रियाओं में पूर्ण रूपेण भाग नहीं लेते तथा मानसिक दबाव की स्थिति में अपना अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर पाते। कई बार मानसिक दबाव अधिक होने पर विद्यार्थी विद्यालय छोड़ने तथा शैक्षिक क्रियाओं में अरुचि भी प्रदर्शित करते हैं जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि बाधित होती है। क्योंकि मानसिक दबाव की स्थिति में वे केवल अपनी उसी समस्या के बारे में निरन्तर सोचते रहते हैं जिसको हल करने में वे असमर्थ हैं तथा अन्य क्रियाओं पर पूरा ध्यान नहीं देते।

अतः शोधकर्ता ने यह अनुभव किया कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को उसका मानसिक दबाव प्रभावित करता है, इसलिए प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया है।

सम्बन्धित साहित्य:-

प्रस्तुत अध्ययन से पूर्व भी शोध समस्या से सम्बन्धित कुछ अध्ययन हुए हैं जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. रेंक तथा स्मिथ (2007), ने अपने अध्ययन में विद्यालयी छात्रों के शिक्षण सम्बन्धी दबाव के कारकों का अध्ययन किया है।
2. राठौर, श्रीमती ऊषा (2008), ने अपने शोध कार्य में राजकीय, निजी, केन्द्रीय व नवोदय विद्यालयों के शिक्षकों में मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक दबाव, कार्य सन्तुष्टि और नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन किया।
3. गान्धेरी, कुमार तथा कुमार (2009), ने अपने अध्ययन में भारतीय तथा ईरानी पुरूष व महिला विद्यार्थियों की तनाव, दुष्चिन्ता तथा शैक्षिक दबाव का परीक्षण किया।
4. वेन (2009) ने अपने शोध पत्र में ताईवान के कालेज छात्रों के अधिगम दबाव के कारणों की जाँच की।
5. सुलेमान (2009), ने अपने अध्ययन में मलेशिया के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों में दबाव के स्तर तथा शैक्षिक उपलब्धि एवं इनमें सम्बन्ध का अध्ययन किया।
6. सोनी, रेखा एवं कुमार, राजेन्द्र (2019), ने अपने शोध पत्र में शिक्षकों के दायित्व बोध, व्यावसायिक दबाव एवं मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन किया।

समस्या कथन:-

विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

समस्या का परिभाषीकरण:-

(I) विद्यार्थियों - प्रस्तुत अध्ययन में विद्यार्थियों के अन्तर्गत जनपद गोरखपुर में माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी आते हैं।

(II) मानसिक दबाव – आवश्यकता के अनुरूप अनुकूलन न होने पर मानसिक दबाव उत्पन्न होता है। प्रस्तुत अध्ययन में मानसिक दबाव से आशय विद्यार्थियों द्वारा अपने अध्ययन के दौरान किसी परिस्थिति में वांछित स्तर का कार्य न कर पाने पर अनुभव की जाने वाली उलझन या परेशानी से है।

अध्ययन के उद्देश्य-

1. छात्र एवं छात्राओं के मानसिक दबाव का अध्ययन करना।
2. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का अध्ययन करना।
3. अशिक्षित अभिभावक एवं शिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का अध्ययन करना।
4. ट्यूशन पढ़ने वाले एवं ट्यूशन न पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक दबाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं:-

प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है -

1. छात्र एवं छात्राओं के मानसिक दबाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अशिक्षित अभिभावक एवं शिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. ट्यूशन पढ़ने वाले एवं ट्यूशन न पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

विधि एवं न्यादर्श:-

प्रस्तुत अनुसंधान सर्वेक्षण आधारित अनुसंधान है। प्रस्तुत लघु शोध कार्य में न्यादर्श चयन हेतु यादृच्छिक लाटरी विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन हेतु जनपद गोरखपुर के नगर क्षेत्र के **10** माध्यमिक विद्यालयों का चयन उद्देश्यानुसार कर उनमें कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में से प्रत्येक विद्यालय से 20 विद्यार्थियों का चयन लाटरी विधि द्वारा किया गया है। इस प्रकार अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में कुल 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। मानसिक दबाव के मापन हेतु डॉ. बसन्त बहादुर सिंह एवं सीमा रानी द्वारा निर्मित विद्यार्थियों हेतु दबाव मापनी (Stress Inventory for School Students) का प्रयोग किया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण-

संकलित आँकड़ों को सारणीबद्ध कर विश्लेषित किया गया। जिनका विश्लेषण नीचे तालिका में प्रस्तुत है-

क्र.सं.	परिकल्पना संख्या	विद्यार्थी	माध्य	मानक विचलन	विद्यार्थियों की संख्या	क्रांतिक अनुपात
1.	**1**	छात्र	**119.59**	**26.02**	**108**	**0.26**
2.		छात्रा	**115.69**	**28.50**	**92**	
3.	**2**	ग्रामीण विद्यार्थी	**114.30**	**29.28**	**84**	**0.38**
4.		शहरी विद्यार्थी	**120.33**	**25.39**	**116**	
5.	**3**	अशिक्षित अभिभावक	**122.62**	**25.88**	**168**	**1.49**
6.		शिक्षित अभिभावक	**92.50**	**22.89**	**32**	
7.	**4**	ट्यूशन पढ़ने वाले विद्यार्थी	**119.12**	**26.52**	**28**	**0.26**
8.		ट्यूशन न पढ़ने वाले विद्यार्थी	**109.71**	**30.13**	**172**	

निष्कर्ष:-

उक्त शोध से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए-

1. छात्र एवं छात्राओं के मानसिक दबाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया परन्तु माध्यम के आधार पर छात्रों में मानसिक दबाव छात्राओं से अधिक पाया गया।
2. ग्रामीण तथा शहरी विद्यार्थियों में मानसिक दबाव में कोई अन्तर नहीं पाया गया परन्तु माध्य के आधार पर शहरी विद्याथियों में मानसिक दबाव अधिक पाया गया।
3. अशिक्षित अभिभावक के विद्यार्थियों तथा शिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कोई अन्तर नहीं पाया गया परन्तु माध्य के आधार पर अशिक्षित अभिभावकों के विद्याथियों में मानसिक दबाव अधिक पाया गया।
4. ट्यूशन पढ़ने वाले तथा ट्यूशन न पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कोई अन्तर नहीं पाया गया परन्तु माध्य के आधार पर ट्यूशन पढ़ने वाले विद्याथियों में मानसिक दबाव अधिक पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

[1] कपिल, एच. के. **(1994).** सांख्यिकी के मूल तत्व. आगरा: विनोद पुस्तक मन्दिर।

[2] सुलैमान, मुहम्मद **(2007).** उच्चतर षिक्षा मनोविज्ञान. वाराणसी: मोती लाल बनारसी दास।

[3] पारीक, मथुरेष्वर **(2009).** बाल विकास एवं पारिवारिक सम्बन्ध. जयपुर: रिसर्च पब्लिकेषन्स।

[4] Kimberly Renia & Tara Smith (2007). 'Predicators ofAcadamic – Related stress in college students :An Examination of coping, social support, ParentingAndAnxiety'. *Journal of StudentAffairs Research & Practice*. 44(3), September 2007

[5] Accessed from : http://www.iaseuniversity.org

[6] A.R. Ghanderi , G. Venkatesh Kumar and Sampath Kumar (2009). 'Depression, Anxiety and Stress among the Indian and Iranian students', *Journal of the Indian Academy of Applied Psychology*. January 2009, Vol. 35. No. 1, pp – 33- 37

[7] Cheng Kai – Wen (2009). 'A study of stress sourceAmong college students in Taiwan'. *Journal of Acadamic And Business Ethics*. accessed from : https://www.aabri.com/manuscripts/10471.pdf

[8] Tajularipin Sulaiman (2009). *The Level of StressAmong Students in UrbanAnd Rural Secondary Schools in Malaysia.* European Journal of Social Sciences- Vol. 10, No. 2

[9] रेखा सोनी एवं राजेन्द्र कुमार **(2019). ''**उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के दायित्व बोध, व्यावसायिक दबाव एवं मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन**''**, शोध मंथन. Vol. X, No. III, July-Sep. 2019